

अपना राजकाज

पहले केस से गिरफतारी तक	06 जून 2022 जमीन घोटाले का पहला केस बरियात थाने में प्रयोग बागदी व अन्य पर दर्ज	09 नवंबर 2022 सीएम के करीबी अधिकारी अमित अग्रवाल और अन्य के टिकानों पर ईडी के छापे	13 अप्रैल 2023 आईएस छापे रंगन समेत अन्य के टिकानों पर छापामारी, 13 गिरफतार	31 मई 2023 भागू के आवास से वरामद दस्तावेज़ के आधार पर सदर थाने में केस दर्ज	13 अगस्त 2023 जमीन घोटाले में हेमंत सोरेन को पहली बार ईडी ने जारी किया समन	20 जनवरी 2024 ईडी के अधिकारियों ने सीएम को हेमंत सोरेन से की पूछताल	22 जनवरी 2024 हेमंत सोरेन पूछताल के लिए नवीनी बार ईडी ने जारी किया समन	29 जनवरी 2024 दिल्ली में सीएम के टिकानों पर छापे, कई दस्तावेज़ किए गए बरामद	30 जनवरी 2024 महागठबंधन के विधायिकों की बैठक में हेमंत अधिकृत
--------------------------------	--	---	---	--	---	--	---	--	--

सीएम हाउस लाइव
सुबह से देर रात 09:00 बजे सुबह



मुख्यमंत्री आवास के बाहर बुधवार सुबह से ही सुरक्षा सख्त कर दी गई थी। बाहर तैनात सुरक्षाकारी।



ईडी की टीम मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से पूछताल के लिए पहुंची तो आस-पास हल्काल बढ़ गई।



देर रात विधायिकों के साथ सीएम इत्तेफ़ा देने के लिए राजभवन पहुंचे। इस दौरान सेक्टरों नेता-कार्यकर्ता मौजूद थे।

सीएम-ईडी आमने-सामने, बाहर झामुमो कार्यकर्ता, पुलिस के सख्त पहरे के बीच पल-पल बदलता रहा माहौल

सुबह शांति, रात होते-होते सियासी तूफान

- मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से ईडी वे 6:30 घंटे पूछताल
- एजेंसी ने 28- 29 जनवरी की रात के बारे में भी पूछा

जगनीतिक माहौल गरमाया सीएस-डीजीपी भी पहुंचे

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से पूछताल के बीच राज्य का आवास के बाहर बुधवार सुबह से ही सुरक्षा सख्त कर दी गई थी। बुधवार की दोपहर तक रीबन 1.30 बजे ईडी की टीम असिस्टेंट डायरेक्टर देवब्रत झा के नेतृत्व में सीएम हाउस पहुंची। ईडी की टीम जेबा सीएम से सख्त पहरे के बाद ही ईडी के एसोसिएट डायरेक्टर कपिल राज, असिस्टेंट डायरेक्टर देवब्रत झा के बाद सीएम के बाहर पहुंची। अनुपम कुमार व अमन पटेल पर सीएम के बयान पर ही अधिवासी प्रताङ्कना की एफआईआर दर्ज कर दी गई।

जनकारी के मुताबिक, सीएम से ईडी ने दिल्ली आवास में छोपामारी के दौरान मिले 36 लाख रुपये के स्तोत्र के संबंध में जानकारी मंगी। दिल्ली आवास में छोपामारी के दौरान जमीन घोटाले से जुड़े दस्तावेज़ के अनलाइन घोटाले से होने वाले एक पेर एजेंसी को मिले थे। इस सारे दस्तावेज़ के संबंध में भी ईडी ने पूछताल की। वहाँ, एजेंसी ने सीएम से 28- 29 जनवरी की रात की गतिविधियों के बारे में भी पूछा।



ईडी की पूछताल के विरोध में बुधवार की सुबह ढोल-नगाड़े व हरवे-हथियार के साथ पहुंचे झामुमो कार्यकर्ता। • हिन्दुस्तान

मोरहाबादी मैदान में राज्यभर के कार्यकर्ता जुटे, परविरोध-प्रदर्शन के लिए नहीं निकाला मार्च

रांची जिला झामुमो की अग्रवाइ में करीब सुबह 10 बजे सभी जिला समितियों को सुवान प्रीष्ठि की गई और सभी को मोरहाबादी मैदान में ईडी के खिलाफ प्रदर्शन करने वाले समर्थन में एकत्रित होने को कहा गया। सुबह 11.28 बजे तक रांची जिला समिति के पदाधिकारी व

कार्यकर्ता मोरहाबादी मैदान पहुंच गए। दोपहर दो बजे अन्य जाहां वाले कार्यकर्ता भी कई चार परिवाया हों देखते-देखते हजारों कार्यकर्ताओं का जमावाड़ा हो गया। जिला प्रावासन के द्वारा कच्चहरी लोक तक जुलूस निकालने की अनुमति थी। लेकिन

पार्टी आता कमान द्वारा अनुमति नहीं मिलने पर कार्यकर्ताओं ने आक्राश मार्च नहीं निकाला। साथ ही देर शाम तक मैदान में जमे रहे। कई जिलों से डीजे लगा हुआ बाहर लेकर समर्थक आए थे। सताली गीतों व बीच-बीच में उन्हें दिशा-निर्देश दिए जा रहे थे।

कांके चौक के पास रोकी गाड़ियां, पैदल गए कार्यकर्ता

ईडी संख्या में कार्यकर्ता रोकी पहुंचे। पतंरावू की ओर से बाले कांके चौक के पास रोक दिया गया। कांके चौक से लेकर कार्यकर्ताओं को कांके चौक के पास रोक दिया गया। कांके चौक से लेकर सीएम आवास के पास तक कार्यकर्ता ऐपल बाहर पहुंचे। कार्यकर्ता पूरे जाश में थे और हाथ में झड़ा लेकर लगातार नारेबाजी करते रहे।

मोरहाबादी मैदान में राज्यभर हत्ता कार्यकर्ताओं की एक लाला कार्यकर्ता ने एक लाला कार्यकर्ता को लेकर आगे आया।

हरवे-हथियार से लैस होकर पहुंचे कार्यकर्ता

कांके चौक से लैस होकर पहुंचे। कांके चौक के पास रोक दिया गया। कांके चौक से लैस होकर कार्यकर्ता ने जानकारी जान-बुझकर विशेष खाली मैदान में नियंत्रण के लिए एकत्रित होने को कहा गया। सुबह 11.28 बजे तक रांची जिला समिति के पदाधिकारी व

ईडी अधिकारी 1:10 बजे पूछताल के लिए पहुंचे

सीएम हाउस में करीब 1:10 बजे ईडी की टीम पूछताल के लिए पहुंची। इस दौरान सीएम आवास के आसपास के आक्रमण बुराई रही रही। इससे आपास के बीच-बीच से दोनों जामानावाड़ा के लिए एकत्रित होने को कहा गया। राज्यभर के विभिन्न हिस्सों से कार्यकर्ता निजी गाड़ियों और बसों से पूछताले थे। पार्किंग की व्यवस्था मोरहाबादी मैदान में की रही थी। पूरा मोरहाबादी मैदान गाड़ियों से पैक था। जबकि कांके चौक के पास सड़क के दोनों ओर गाड़ियों की लंबी कतार लगी हुई थी। इन सड़क बीच शाम को सीएम हाउस में लिये गए दरवाजे से दो ट्रैकलर गाड़ियों मंगाने की खबर फैली।

ईडी कार्यालय के बाहर सुरक्षा बढ़ाई गई

इधर, हिन्दू रिश्त ईडी कार्यालय के बाहर दिनभर गहरा-गहरी रही। सुबह आठ बजे के बाद से ही मीडिया की भीड़ हो रही। एक बजे ईडी अधिकारियों की टीम पूछताल करने के लिए सीएम आवास के बाहर दिनभर सुरक्षा बढ़ाया गया। इससे एक कंपनी ऑफिस परिसर में और एक कंपनी बाहर सड़क पर विभिन्न स्थानों पर तैनात थी। अपनिश्वान वाहन, बाज़ार व रेलवे के युवाओं ने वया पाया वया खोया।

सियासत 30s



राजभवन के बाहर पुलिस के जवानों को दिशा-निर्देश देते अधिकारी।

राजभवन के पास अगले आदेशक निषेधाज्ञा

रांची। जिला प्रावासन ने राजभवन, मुख्यमंत्री आवास और ईडी कार्यालय के आसपास थारा 144 लाग दी है। इन इलाकों में 31 जनवरी रात 10 बजे से अगले आदेश तक के लिए निषेधाज्ञा लागू की गई है। इस सर्वेष में सदर अनुमति देवधिकारी ने आदेश जारी किया गया है। कहा गया है कि राजभवन, सीएम आवास और ईडी कार्यालय की सीमी भरपरिधि में किसी तरह के धरना-प्रदर्शन, जुलूस, रेली आदि पर रोक रहेंगी।

तीन आईएस अधिकारियों का तबादला

रांची। खान निदेशक अर्या राजकम्बल को अनुसूचित जनराइज़, अनुसूचित जारी, अव्यास-स्थान के लिए पिछला दो घंटे से विभिन्न वार्षिक गुरु शुभावादी की श्रमिक विकास विभाग का प्रभारी संविधान व अव्यास-स्थान के लिए नियोजन, प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग का प्रभारी संविधान व अव्यास-स्थान के लिए नियोजन, भू-अर्जन, भू अपैलियर एवं परिषप उमाशकर सिंह को स्कूली, शिक्षा एवं साक्षरता विभाग का प्रभारी संविधान दिया गया।



रांची रिश्त भाजपा प्रदेश कार्यालय के बाहर बुधवार को बढ़ाई गई सुरक्षा।



अधिकार जानें

जन वितरण प्रणाली (पी.डी.एस.), पी.एम. पोषण(मध्याह्न भोजन), प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना (पी.एम.एम.वी.वाई.) आंगनबाड़ी केंद्र (आई.सी.डी.एस.) और कुपोषण उपचार केंद्र(एम.टी.सी.), से संबंधित शिकायत

झारखण्ड राज्य खाद्य आयोग
झारखण्ड राज्य खाद्य आयोग
द्वांटसाप्प नंबर : 9142622194 पर भेजें



अधिकार मांगें

मीडिया कप: डी थी और ग्रो मोर की टीम सेमीफाइनल में पहुंची

शहर 30's



- मीडिया कप क्रिकेट टूर्नामेंट-2024 का सेमीफाइनल आज
- डी थी के संजय यादव को मैन ऑफ द मैच घोषित किया गया
- ग्रो मोर के दीपक कर्माकर को मैन ऑफ द मैच का मिला पुरस्कार



आजसू के कैरीबी अध्यक्ष सुदेश कुमार से बुधवार को मुलाकात करते आजसू छात्र संघ के नवनियुक्त प्रदेश महासचिव विशाल महतो व अन्य।

महासचिव ने सुदेश महतो से की मुलाकात

धनबाद। आजसू छात्र संघ के नवनियुक्त प्रदेश महासचिव विशाल महतो ने बुधवार को कैरीबी अध्यक्ष सुदेश कहते से मुलाकात की। धनबाद के अध्यक्ष थे। पिछले दिनों विशाल को आजसू छात्र संघ का प्रदेश महासचिव बनवाया गया। विशाल ने बताया कि सीजीएल के पैपर लीक मामले में चर्चा हुई। पूरे मामले की सीधीआई जांच हो। एक महीने के अंदर इसकी तुन : प्रीक्षा ली जाए। मौके पर बताया जिलाध्यक्ष विकास कुमार, विवेक महतो, आकाश शर्मा, आदित्य महतो समेत अन्य मौजूद थे।

बजट सत्र की बातें

प्रधानमंत्री ने दो मोदी के दूसरे कार्यकाल के अंतिम संसद सत्र की शुरूआत सुखद और स्वागतयोग्य रही है। बुधवार को सत्र शुरू होने से पहले ही 14 सांसदों का निलंबन वापस लेकर सरकार ने अपनी ओर से सकारात्मक संकेत दे दिए थे। यह भूलान मुश्किल है कि पिछला सत्र विवादों, हांगामों और निलंबनों की बजह से बहुत विवादस्पद रहा था। कुल 132 सांसदों का निलंबन बीते शीतकालीन सत्र के लिए ही हुआ था, जबकि 14 सांसदों के निलंबन के मामले पर सुनवाई चल रही थी। सरकार ने अपनी ओर से पहले करके इन 14 सांसदों के निलंबन को जब वापस लिया है, तो इससे सदन के माहौल में बहतरी की उम्मीद की जा सकती है। हालांकि, दो महाने में जब चुनाव होने हों, तब सांसदों पर सियासी दबाव को समझा जा सकता है। सांसद अपने कामकाज का भी लाभ उठाएंगे और अपने प्रति उमझे वाली सहानुभूति को भी व्यर्थ नहीं जाने देंगे। अगर 14 विपक्षी सांसदों का निलंबन कायम रहता, तो इससे उनके प्रति सहानुभूति की ज्यादा संभावना होती। निसंसद, पिछले सत्र के विवादों को भूलकर आगे बढ़ना होगा। वैसे भी चुनाव का समय परस्पर विवेष को भूलकर अपने पीछे छोड़ करने का होता है।

गुरुवार को देश का अंतिम बजट पेश किया जाना है, अतः किसी तरह के विशेष या विवाद की आशंका को टाले रखना सरकार की

क्या नारी शक्ति के लिए बजट में कोई नई घोषणा हो सकती है? क्या युवाओं, किसानों और गरीबों के लिए कुछ प्रावधान किए जा सकते हैं?

इसकी आया से 17वीं लोकसभा में बहुत तत्वावादी आ गई है और उनके चंद शेष दिनों को बचा लेना आसान नहीं है। सत्ता पक्ष आज मजबूत सियासी जीवन पर खड़ा है, जबकि विपक्ष को सकारात्मक रूप से अपनी जमीन मजबूत करने के लिए काम करता है। विपक्ष को सत्ता पक्ष से किसी भी प्रकार की विशेष रियायत की उम्मीद नहीं करनी चाहिए। ध्यान रहे, प्रधानमंत्री ने फिर पुरोजर ढंग से नारी शक्ति की संराहना की है। राष्ट्रपति द्वारा मुर्मु को भी श्रेय दिया है और आज अंतिम बजट पेश करने जा रही निमला सीतरण की भी संराहना की है।

क्या नारी शक्ति के लिए बजट में कोई नई घोषणा हो सकती है? क्या युवाओं, किसानों और गरीबों के लिए कुछ प्रावधान किए जा सकते हैं? युवाओं को संसद में राष्ट्रपति द्वारा मुर्मु का उद्घाटन उद्बोधन तो इसी ओर इशारा कर रहा है। अंतिम बजट ही सही, उनको संसद में राष्ट्रपति द्वारा मुर्मु का उद्घाटन उद्बोधन तो इसी ओर इशारा कर रहा है। अंतिम बजट ही सही, उनको संसद में राष्ट्रपति ने दो बातें जाने देंगी? राष्ट्रपति ने अपने अधिभाषण में नेंद्र मोदी सरकार की तामाम बड़ी उपलब्धियों को याद किया, तो आश्चर्य नहीं। भारत की चंद्रमा पर सफल लैंडिंग को भी याद किया और एशियाई खेलों में प्रभावशाली प्रदर्शन की भी चर्चा की। राष्ट्रपति ने अनुच्छेद 370 हटाने का भी दबावा दिया और राम मंदिर निर्माण का भी बखूबी जिक्र किया। संकेत स्पष्ट है, आगामी दिनों में सरकार अपने काम की भरपूर चर्चा करेगी, हालांकि विपक्ष भी कमियां गिनाने में कोई कसर नहीं छोड़ेगा।

हिन्दुस्तान | 75 साल पहले

31 जनवरी, 1949

विदेशी प्रभुत्व समाप्त हो जायेगा

न्यूयार्क, 29 जनवरी अमरीका की भारतीय लीग के अध्यक्ष सदसदर जे जे सिंह ने अमरीका की समाजिक दार्तनामें शायें के तत्वावधान में आयोजित एक

सभा में एशिया के सम्बन्ध में शायें देते हुए कहा कि भारत एशिया का नेता नहीं है। बहुत से लोगों और बहुत से देशों को नेतृत्व करने की इच्छा रखते हैं। भारत एक प्रतिवर्षीय भारतीय नहीं रहा।

स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात भारत स्वभावतः एशिया के अन्य अस्वासित देशों को संस्कृत होने से महायाता देना चाहता है। एशिया में जो विदेशी स्वार्थ-सिद्धि करेंगे भारत उन संस्कृतीयों से इन्वाचन करेंगे। इस उद्देश्य के लिए यदि आवश्यकता हुई तो वह नेतृत्व करेगा।

साराज्यावादी विचार रखने वाले गढ़ इसे चेतावनी समझें कि भारत अब चुप होकर खड़ा नहीं रहेगा जब एशिया के किसी देश को उसके स्वतन्त्र होने के जन्म-अधिकार से वर्चित किया जायेगा। विचार के प्रजातनी गार्डों को भारत की आधार पर व्यवस्थित करना चाहता है।

यह स्पष्ट है कि भारत वह नहीं चाहता कि वह या एशिया के दूसरे देश एशियाई "मनो-नीति" की लौटी दीवार के पीछे अपने को अलग रखें। नई दिल्ली सम्प्रदान ने "एशिया एशियाई" के लिए

सभा में अत्यधिक आत्महत्या कर रही है। यह अब अपने गरीबों के लिए एक अत्यधिक अवधारणा है। इस अपनी जमीन पर खड़ा रहता है।

यह स्पष्ट है कि यह एशिया के लिए एक अत्यधिक अवधारणा है। इस अपनी जमीन पर खड़ा रहता है।

यह स्पष्ट है कि यह एशिया के लिए एक अत्यधिक अवधारणा है। इस अपनी जमीन पर खड़ा रहता है।

यह स्पष्ट है कि यह एशिया के लिए एक अत्यधिक अवधारणा है। इस अपनी जमीन पर खड़ा रहता है।

यह स्पष्ट है कि यह एशिया के लिए एक अत्यधिक अवधारणा है। इस अपनी जमीन पर खड़ा रहता है।

यह स्पष्ट है कि यह एशिया के लिए एक अत्यधिक अवधारणा है। इस अपनी जमीन पर खड़ा रहता है।

यह स्पष्ट है कि यह एशिया के लिए एक अत्यधिक अवधारणा है। इस अपनी जमीन पर खड़ा रहता है।

यह स्पष्ट है कि यह एशिया के लिए एक अत्यधिक अवधारणा है। इस अपनी जमीन पर खड़ा रहता है।

यह स्पष्ट है कि यह एशिया के लिए एक अत्यधिक अवधारणा है। इस अपनी जमीन पर खड़ा रहता है।

यह स्पष्ट है कि यह एशिया के लिए एक अत्यधिक अवधारणा है। इस अपनी जमीन पर खड़ा रहता है।

यह स्पष्ट है कि यह एशिया के लिए एक अत्यधिक अवधारणा है। इस अपनी जमीन पर खड़ा रहता है।

यह स्पष्ट है कि यह एशिया के लिए एक अत्यधिक अवधारणा है। इस अपनी जमीन पर खड़ा रहता है।

यह स्पष्ट है कि यह एशिया के लिए एक अत्यधिक अवधारणा है। इस अपनी जमीन पर खड़ा रहता है।

यह स्पष्ट है कि यह एशिया के लिए एक अत्यधिक अवधारणा है। इस अपनी जमीन पर खड़ा रहता है।

यह स्पष्ट है कि यह एशिया के लिए एक अत्यधिक अवधारणा है। इस अपनी जमीन पर खड़ा रहता है।

यह स्पष्ट है कि यह एशिया के लिए एक अत्यधिक अवधारणा है। इस अपनी जमीन पर खड़ा रहता है।

यह स्पष्ट है कि यह एशिया के लिए एक अत्यधिक अवधारणा है। इस अपनी जमीन पर खड़ा रहता है।

यह स्पष्ट है कि यह एशिया के लिए एक अत्यधिक अवधारणा है। इस अपनी जमीन पर खड़ा रहता है।

यह स्पष्ट है कि यह एशिया के लिए एक अत्यधिक अवधारणा है। इस अपनी जमीन पर खड़ा रहता है।

यह स्पष्ट है कि यह एशिया के लिए एक अत्यधिक अवधारणा है। इस अपनी जमीन पर खड़ा रहता है।

यह स्पष्ट है कि यह एशिया के लिए एक अत्यधिक अवधारणा है। इस अपनी जमीन पर खड़ा रहता है।

यह स्पष्ट है कि यह एशिया के लिए एक अत्यधिक अवधारणा है। इस अपनी जमीन पर खड़ा रहता है।

यह स्पष्ट है कि यह एशिया के लिए एक अत्यधिक अवधारणा है। इस अपनी जमीन पर खड़ा रहता है।

यह स्पष्ट है कि यह एशिया के लिए एक अत्यधिक अवधारणा है। इस अपनी जमीन पर खड़ा रहता है।

यह स्पष्ट है कि यह एशिया के लिए एक अत्यधिक अवधारणा है। इस अपनी जमीन पर खड़ा रहता है।

यह स्पष्ट है कि यह एशिया के लिए एक अत्यधिक अवधारणा है। इस अपनी जमीन पर खड़ा रहता है।

यह स्पष्ट है कि यह एशिया के लिए एक अत्यधिक अवधारणा है। इस अपनी जमीन पर खड़ा रहता है।

यह स्पष्ट है कि यह एशिया के लिए एक अत्यधिक अवधारणा है। इस अपनी जमीन पर खड़ा रहता है।

यह स्पष्ट है कि यह एशिया के लिए एक अत्यधिक अवधारणा है। इस अपनी जमीन पर खड़ा रहता है।

यह स्पष्ट है कि यह एशिया के लिए एक अत्यधिक अवधारणा है। इस अपनी जमीन पर खड़ा रहता है।

यह स्पष्ट है कि यह एशिया के लिए एक अत्यधिक अवधारणा है। इस अपनी जमीन पर खड़ा रहता है।

यह स्पष्ट है कि यह एशिया के लिए एक अत्यधिक अवधारणा है। इस अपनी जमीन पर खड़ा रहता है।

यह स्पष्ट है कि यह एशिया के लिए एक अत्यधिक अवधारणा है। इस अपनी जमीन पर खड़ा रहता है।

यह स्पष्ट है कि यह एश

पहली नौकरी से पहले आजमाएं अपने हुनर

कॉलेज कोर्स के दौरान किसी कंपनी में इंटर्नशिप एक बड़ी चुनौती साबित हो सकती है। इंडस्ट्री और व्यावहारिक रिश्तों में कार्य अनुभव के लिए यह उतनी ही जरूरी भी होती है। उस पर इंटर्नशिप के तौर-तरीकों में भी लगातार परिवर्तन हो रहा है। कैसे बढ़ाएं अपने अनुभव और कैसे इसे शामिल करें अपने रिज्यूमे में, बता रहे हैं **अमन सिंह**

इ

नादिनों जॉब बाजार में स्किल का बोलबाल है, लेकिन एक रिपोर्ट की माने, तो नियोक्ताओं की अपेक्षाओं और ग्रेजुएशन के सांख्यिक में एक बड़ा अंतर महसूस किया जा रहा है। कामकाज के दौरान ये अपने आप सुधारे हैं। वहीं इंडस्ट्री के तौर-तरीकों से पहले से ही वाकिफ होना अपाको किसी भी कंपनी के लिए नियुक्त होते ही बड़ी जिम्मेदारी के लिए तैयार करता है। ऐसे ही कारणों के चलते पढ़ाई का खम होने वाले इंटर्नशिप करना आपकी होता है। ताकि आपके रिज्यूमे में दर्ज ये अनुभव आपको अवसर पाने में बढ़ते दे सके। इंटर्नशिप, प्रॉजेक्ट वर्क, वार्किंग वर्क पहली नौकरी से पहले कार्य अनुभव पाने एक सरल माध्यम है। हालांकि इनमें भी कई दैरेस सामने आ रहे हैं।

इंटर्नशिप को समझें

इंटर्नशिप ऐसा कार्य अनुभव होती है, जिसके माध्यम से आप जान पाते हैं कि आपने अपने क्षेत्र विशेषज्ञ में जो सीखा है, तो कैसे तरह से अमल में लाना होगा। ये लगभग सभी प्रोफेशनल कॉर्सों का हिस्सा होती है। आपको पर स्टाइलेंड नौकरी युक्त वार्क अनुभव का अवसर प्रीफरेंस देता है। इसकी अवधि 6 महीने से पक्के दो साल की भी हो सकती है। विभिन्न जॉब बोर्ड्स और लेटेफोर्म्स पर इंटर्नशिप के ऐसे मौकों की जानकारी ली जा सकती है।

स्टॉर्टर्ट और माइक्रो इंटर्नशिप

यह चलन इंटर्नशिप की अवधि के बारे में है। भारत में हाल ही में टाटा समूह की ओर से माइक्रो इंटर्नशिप का मौका निकाला गया था ये केल 4 से 6 घंटे की इंटर्नशिप थी। हालांकि भारत में माइक्रो इंटर्नशिप का चलन अभी शुरू हुआ है, पर शॉर्ट टर्ट इंटर्नशिप (1 से 6 महीने) का चलन काफी देखने को मिल रहा है। जैसे इंटर्नशिप का स्प्रिंगबोर्ड इंटर्नशिप प्रोग्राम 2023 अठ फॉलोव एप्स की अवसर नियमित रियर्स आपको दोनों मोड में हो सकते हैं।

फायदे: ■ विविध स्किल और कार्य अनुभव लेने का मौका, कॉर्सों के जिम्मेदारियों का एक साथ निभा पाने हैं। ■ आने-जाने का समय बचता है।

कंपनियों के तीन-चार प्रोजेक्टों का हिस्सा बन चुके होते हैं। ■ नेटवर्किंग के ज्यादा मौके और बड़ा संपर्क का दायरा। ■ कामकाज के प्रॉजेक्ट्स बताते तरीका, जो छात्रों की पढ़ाई को बाबित नहीं करता। ■ ऐसी इंटर्नशिप उन छात्रों के लिए बहुत फायदेमंद हो सकती है, जो लंबी अवधि तक की इंटर्नशिप नहीं चुनना चाहते।

क्या हांगीं चुनौतियाँ : ■ आपको नए कॉशल और प्रोजेक्टों की अपेक्षाओं को शीघ्रता से समझने की आवश्यकता पड़ती है। ■ छोटी अवधि की इंटर्नशिप में हो सकता है कि आपको भागीदारी सीमित हो। जिससे संभवतः जटिल काम के बारे में और जानने का अवसर कम मिलता। ■ कंपनियों कम समय सीमा के भीतर काम को अंजाम देने की उम्मीद कर सकती है, जिससे दबाव/निराश की संभावना बनती है।

वूल अल इंटर्नशिप

महामारी के दौरान अधिकार तक प्रयोगों ने अपने इंटर्नशिप प्रोग्राम को वूल्युअल या रिमोट आधार पर कर दिया था। तब मजबूरीया बना गया और अब अब अधिकार इंटर्नशिप रिमोट माध्यम से ऑफर हो रही है। अमात्यर पर जॉबकॉर्क आशारिंग होती है। इसलिए 6-8 महीने से ज्यादा की नहीं होती। ग्रेजुएट्स इनके माध्यम से इंडस्ट्री में वास्तविक चुनौतियों के बीच काम करने का अनुभव रिमोट मोड में प्राप्त कर पाते हैं।

फायदे: ■ ग्लोबल वर्कलॉन्यूर के अनुभव का मौका। क्योंकि इनसे लोकेशन संबंधी सीमा नहीं होती। आप दुनिया की किसी भी कंपनी में इंटर्नशिप या प्रोजेक्ट से जुड़ने का अवसर पाते हैं। ■ इसके माध्यम से युवा पढ़ाई, निजी जीवन व अन्य शॉर्ट टर्ट कोर्स, सहित अपनी उम्बल वक्त की जिम्मेदारियों का एक साथ निभा पाने हैं। ■ आने-जाने का समय बचता है।

क्या हांगीं चुनौतियाँ : ■ इसका प्रमाणित नहीं मिलता। ऐसे में जीवन से कॉशल सीखना चाहता है? ■ यानी यह सीखने की रिज्यूमे में दर्ज जूहर करें। ■ साथे स्किल के अभ्यास का मौका नहीं मिलता। (लेखक टेक्नोलॉजी प्रोफेशनल हैं)



65 फीसदी युवाओं
एक सर्वे में
शामिल और
जिन्होंने पहले प्रयोग से
नौकरी पाई, के पास
इंटर्नशिप का अनुभव मीथा

75 फीसदी युवाओं
ने एक सर्वे में
शामिल और
जिन्होंने पहले प्रयोग से
अलग क्षेत्र की इंटर्नशिप
की, ताकि वे अपनी रुचि के
क्षेत्र के बारे में स्पष्ट हो सकें

क्या हांगीं चुनौतियाँ : ■ आपने-सामने की बातचीत के साथ उसके बीच बातचीत। ■ संवाद में विशेष सज्जता बताती होती है। अन्यथा गलतप्रहरी के अवसर ज्यादा होते हैं। ■ टाइम जोन के अंतर के चलते टीम के अन्य सदस्यों के साथ मिलकर काम करना आसान नहीं होता। ■ तकनीकी समर्पण, जैसे कैनेक्टिविटी, साप्टवेयर वर्कफलोरों को बाबित कर सकती हैं।

एकस्टर्नशिप आजमाएं

इस टर्ट का उपयोग विदेश में ज्यादा है। इसमें आप इंडस्ट्री के किसी व्यक्ति के साथ उसके कामकाज के दौरान रहते हुए अनौपचारिक रूप से काम के बारे में सीखते हैं। यानी हो सकता है कि आप किसी वर्कशॉप का हिस्सा होंगे, या कुछ दिन तक जॉबकॉर्क की टीम के साथ काम देंगे। ■ सो वालटियर वर्क, भी कह सकते हैं।

किन क्षेत्रों में मिलेगी

फाइनेंस, आईटी और टेक्नोलॉजी, मेडिकल, डिजाइनिंग, बायोटेक और पार्मार्शियलिकल, मार्केटिंग एंड सेल्स, हाय्स्टेलिटी और मीडिया एंड सेल्समैनप्रोग्राम निकलते हैं।

आईटी एवं टेक, बैंकिंग, डिजाइनिंग, कंटेंट क्रिएशन, डिजिटल मार्केटिंग, वेब डेवलपमेंट, कम्प्यूटिंग ग्रोग्राम निकलते हैं।

■ बिहार विवादासाधा की ओर से असिस्टेंट सेवकान आईफस, असिस्टेंट कैरेक्टर, जॉनिंग वर्कर आदि के क्षेत्र में वर्तुल व शर्ट टर्ट इंटर्नशिप के मौके आसानी से मिलते हैं।

कैसे हूँड़े मैंके

■ ऑनलाइन मंच जैसे LetsIntern, Internshala, Youth4work, Indianinternship, Stumazg आदि पर रजिस्टर करके मौके ढैके स्वरूप होते हैं।

■ विभिन्न जॉब पोर्टल पर 'शॉर्ट टर्ट' या 'रिमोट' के फिल्टर लगाकर ढूँढ़ते हैं।

■ एकस्टर्नशिप के लिए सोशल सीमित्या प्लॉर्फर्म कर पंथियों को फॉलो करें और सपॉर्ट करें।

■ कॉलेज के विषयों, नेटवर्किंग आदि के माध्यम से वर्क वालटियर कर सकते हैं।

ये प्रश्न मदद करेंगे

हर इंटर्नशिप का हर मौका आपके काम का हो, यह जूलरी नहीं। पहले खुद से यह पूछें :

■ मुझे यह इंटर्नशिप यहां पूछें?

■ मैं कौन से कॉशल सीखना चाहता हूँ?

■ क्या इससे मुझे आपने करियर में अगे बढ़ने में मदद मिलती है?

■ मेरी क्या जिम्मेदारियां होंगी?

जल्दी ही टीविंग में बीएड की जगह लेगा आईटेप

जॉब टिप्स

विभिन्न व्यापारिक संस्थानों में सैप (SAP) कामकाज का बेहद महत्वपूर्ण टूल बन चुका है।

इसके सर्टिफिकेशन आपको नौकरी में एक अच्छी शुरुआत देने में मदद करेंगे। जानिए यहां

गाइड मिल जाएगी, जिससे आपको प्रॉजेक्टों में शामिल विषयों के प्रयोग सीखने की हो।

■ मैंने आटर्स से बीएड की है। विक्रिया का कोई कोर्स कर सकता है? २ इसके क्षेत्र का बीएड और विक्रिया की है। यह संवाद में संबंधित किसी भी विषय के बारे में जीवन से बाहरी होती है।

■ यह संवाद एक विविध प्रयोग की विविध अद्यता है। अपने विक्रिया के बारे में कैसे बातचीत कर सकता है।

■ यह संवाद एक विविध प्रयोग की विविध अद्यता है। यह संवाद एक विविध प्रयोग की विविध अद्यता है।

■ यह संवाद एक विविध प्रयोग की विविध अद्यता है। यह संवाद एक विविध प्रयोग की विविध अद्यता है।

■ यह संवाद एक विविध प्रयोग की विविध अद्यता है। यह संवाद एक विविध प्रयोग की विविध अद्यता है।

■ यह संवाद एक विविध प्रयोग की विविध अद्यता है। यह संवाद एक विविध प्रयोग की विव

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने किया दावा- मैंने कराई जातीय गणना और नौकरियों पर जातीय सर्वे और नौकरियों पर राहुल व राजद के दावे फालतू



पटना में राज्य आपाकालीन संचार केंद्र के उद्घाटन के बाद सीएम नीतीश कुमार।

ईडिया गठबंधन पर नाराज बोले- कुछ नहीं हो रहा वहाँ

नीतीश कुमार ने पत्रकारों द्वारा पूछे जाने पर कहा कि ईडिया गठबंधन में कुछ नहीं हो रहा है। हम तो दूसरा नाम कह रहे थे, लेकिन मेरी बात नहीं मानी गयी। वे लोग अपने मंत्री से मान भी रख दिया। गठबंधन में मेरे कहने पर कोई काम नहीं हो रहा था। सीट शेयरिंग पर कुछ नहीं किया गया। आज तक तथ नहीं दुआ कि कौन कहाँ लड़ेगा? एक काम नहीं हो रहा वहाँ।

पटना, हिन्दुस्तान ब्यूरो। जातीय गणना पर कांग्रेस और नौकरी देने के राजद के दावे पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने पलटवार किया है। बुधवार के उद्घाटन के दूसरे दिन किया कि जातीय गणना पर राहुल व नौकरियों पर राजद ने तेतों के दावे फालतू हैं। यह सब कुछ मेरा किया है। बैकरों के लिए कैंडल और ले रहा है। मुख्यमंत्री सरदार पटेल भवन में राज्य आपाकालीन संचार केंद्र का उद्घाटन करने के बाद प्रकारों से बात कर रहे थे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जातीय आधारित गणना पर हमने नौ पार्टी की सामूहिकी वाले बैठक में निर्णय लिया था। वर्ष 2019 में हमने विधानसभा व विधानपरिषद में भी जातीय आधारित गणना की बात कही थी। इसके बाद 2021 में प्रधानमंत्री ने रंग दोषी से मिलने गये थे। बाद में अपने स्तर से हमने इसे करवाया। इसी तरह हमने

इंटरकीपरीक्षा आज से, 13 लाख अभ्यर्थी होंगे शामिल

- 6.77 लाख छात्र, 6.26 लाख छात्राएं होंगी शामिल
- 1,523 परीक्षा केंद्र बनाये गए हैं राज्यरम में

छात्राएं शामिल हैं। वहाँ, पटना जिले में 77,012 परीक्षार्थी शामिल होंगे, जिनमें 36,524 छात्राएं एवं 40,488 छात्र हैं। पटना में 78 केन्द्र संभव बोर्ड ने राज्यरम में 1,523 केन्द्र बनाये गए हैं। सभी जिलों में चार मॉडल परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं।

पठान बोले, दूसरे टेस्ट में गिल-श्रेयस के साथ उतरे टीम इंडिया, सीरीज में आगे होते तो युवाओं को आजमाने का जोखिम ले सकते थे

युवा जोश नहीं, अनुभव की जरूरत



■ राजीव शर्मा

नई दिल्ली। यह दे दनादन क्रिकेट नहीं, टेस्ट है। इसमें युवा जोश नहीं अनुभव की जरूरत होती है। क्रीज पर टिकने वाले खिलाड़ी चाहिए जो आपको मजबूत शुरूआत दिला सके। जब आप घर में 0-1 से सिंचड रहे हो तो यह और भी जरूरी हो जाता है। यों भी तभी जब कोहनी, राहुल और जडेजा जैसे अनुभवी खिलाड़ी टीम में नहो। ऐसे में कपान रोहित के साथ शुभमान गिल और श्रेयस अय्यर की जिम्मेदारी और बढ़ायी है। टीम को इन्हीं पर भरोसा रखकर उतरना चाहिए। यह कहना है दिमाग अंतर्राष्ट्रीय दूरवान का।

ऐसा भी नहीं पहले गिल ने कुछ नहीं किया : इफरान ने बुधवार को पहली एशियन लीजेंड लीग की ट्रॉफी के अनावणके के इनर बाट कही। उन्होंने कहा, इंडिया के विश्वासपत्र के खिलाफ टीम में शुक्रवार से इंग्लैंड के खिलाफ होने वाले दूसरे टेस्ट में अंतिम एकदिवास का चयन सबसे बड़ा सिर दर्हन होगा। आपके कई अनुभवी खिलाड़ी चोट या अन्य कारणों से उपलब्ध नहीं हैं। इफरान ने कहा कि श्रमी की गैमैज़ जुड़ी ने निपत्ति तौर पर बुमराह पर अतिरिक्त दबाव है। इफरान ने कहा, बेशक श्रमी की गैमैज़ जुड़ी का असर पड़ेगा पर इसका मतलब यह नहीं है कि बुमराह को चोट लगने की संभावना बढ़ जाएगी। उसका एक्शन अब बिल्कुल ठीक है। वापसी के बाद से बुमराह ने अपने न-अप में एक कपान को इजाफा किया है। वह गेंद फेंकने के बाद अब अधिक दूर तक भागते हैं जिससे कमर पर कम असर पड़ता है। पर दबाव में ही हीरा निखरता है। इनके



विशाखापत्नम में बुधवार को अभ्यास सत्र के दौरान बल्लेबाजी कोच विक्रम राठौड़ से मंत्रणा करते कपान रोहित शर्मा, श्रेयस अय्यर और शुभमान गिल। ● एजेंटी

अनुभव को तरजीह मिलनी चाहिए। मुझ पूरा विश्वास है कि यह दोनों इस मैच में बड़ी परिवर्त्य खेलेंगे। साथ ही टीम भी बासी करेगी।

बुमराह पर अतिरिक्त दबाव : वनडे विश्व कप के बाद से बांग्लादेश के चोट के कारण श्रमी क्रिकेट से दूर है। इफरान ने कहा कि श्रमी की गैमैज़ जुड़ी ने निपत्ति तौर पर बुमराह पर अतिरिक्त दबाव है। इफरान ने कहा, बेशक श्रमी में आगे होने की तो वो भी मिल जाएगी। उत्तर पाटीदार पहले टीम में आगे होते हो तो हम युवाओं को आजमा सकते थे। हम पहला टेस्ट गंभीर चुके हैं और घर में सीरीज हाराना नहीं चाहते।

यह भी सच है कि गिल और श्रेयस लाल गेंद से बड़ा स्कोर नहीं कर पाए हैं। वह बहु अनुभवी हैं। वह भी नहीं अपने न-अप में एक कपान को इजाफा किया है। वह गेंद फेंकने के बाद अब अधिक दूर तक भागते हैं जिससे कमर पर कम असर पड़ता है। पर दबाव में ही हीरा निखरता है। इनके

सरफराज पर पाटीदार का बावा मजबूत

29 टेस्ट में 100 विकेट घटकाने वाले पठान ने कहा, मैं सरफराज खान के लिए बहुत खुश हूं। धोरेले क्रिकेट में ढेरों सन बनाने के बाद आविरकार वह टीम इंडिया में आए थे। वही बात अंतिम एकदिवास में जगह बनाने की तो वो भी मिल जाएगी। उत्तर पाटीदार पहले टीम में आगे होते हो तो हम पहले टेस्ट से ही टीम के साथ हैं। इसलिए उनका खेलना तय है। टीम इंडिया में जगह बनाना ही बड़ी बात है।



गिल और अय्यर के साथ धैर्य रखना होगा : राठौड़

विशाखापत्नम। भारत के बल्लेबाजी कोच विक्रम राठौड़ ने बुधवार को कहा कि शुभमान गिल और श्रेयस अय्यर जीवन खिलाड़ियों के खखार प्रदर्शन के बीच उनके साथ धैर्य रखना होगा। उन्होंने अपने खिलाड़ियों को सलाह दी कि वे यहां दूरपेर टेस्ट में इंग्लैंड की आक्रमकता से संबंधित निपटें। राठौड़ ने प्रेस काफ़िरों में कहा, हमारी टीम में ऐसे युवा खिलाड़ियों को लिया जाता है। उन्होंने एक बाल लगाना तय किया है। वह गेंद फेंकने के बाद अब अधिक दूर तक भागते हैं जिससे कमर पर कम असर पड़ता है।

स्टीवी शॉट का अभ्यास : भारत के मौजूदा दौर के बल्लेबाजों को स्टीवी शॉट के लिए नहीं जाना जाता है। पर दूसरे टेस्ट मैच से पहले टीम के खिलाड़ियों ने नेट सत्र में जम कर इस शॉट का अभ्यास किया।

अश्विन शीर्ष पर बरकरार जैक लीच का दूसरे टेस्ट में खेलना संदिग्ध विराट एक स्थान छढ़े

टेस्ट रैंकिंग

10 शीर्ष बल्लेबाजी में एकमात्र मारतीवृहि हैं दिवाट कोहली
03 भारतीय गेंदबाजी की शीर्ष रैंकिंग में शुभार हैं

जो सेप्टेम्बर चार वार्षिक ऊपर 33वें स्थान पर पहुंच गए हैं।

छठे नंबर पर कोहली : कोहली पहले टेस्ट में नहीं खेले थे। इसके बावजूद एक स्थान ऊपर छठे नंबर पर आ गए हैं। बाहर आजम उन्हें एक पायावान ऊपर पांचवें पर हैं। कोहली छठे स्थान के साथ शीर्ष 10 बल्लेबाजों में अकेले भारतीय है।

न्यूजीलैंड के विमाज बल्लेबाज के लियाजम शीर्ष वर्ष बने हुए हैं। भारत के खिलाफ दूसरी पारी में 196 रन बनाने वाले इंग्लैंड के आली पीप 20 स्थान की सुधार के साथ 15वें पायावान पर आ गए हैं।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट में बेटरीन गेंदबाजी करने वाले उन्नीस जडेजा की खिलाड़ी भी अपनी रैंकिंग सुधारने में सफल हो गया है। केमार रोच दो पायावान ऊपर 1वें, अल्जारी जो अद्वितीय स्थान पर आ गए हैं।

टेस्ट ऑलिंपिक के खिलाफ टेस्ट में बेटरीन गेंदबाजी करने वाले उन्नीस जडेजा की खिलाड़ी भी अपनी रैंकिंग सुधारने में सफल हो गयी है। केमार रोच दो पायावान ऊपर 1वें, अल्जारी जो अद्वितीय स्थान पर आ गए हैं।

शीर्ष हरफनमौला बने हुए हैं राठौड़ जडेजा

झटका



करते समय लीच के बांधने में चोट लग गई थी। इंग्लैंड ने इस मैच को 28 रन से जीता था।

बैंडीज़े ने बने बोने : ऑपनर क्राउली ने कहा कि अतिं आक्रमक होकर खेलने के बैंडीज़ेल रखवे को वह कुछ दिनों में कैसा करते हैं।

न्यूजीलैंड के विमाज के बालाकोंकांक के बांडीज़ेल ने कहा, वह काफ़िर खेलने के बांडीज़ेल द्वारा अपनी अधिकता के बाद से उत्तर लगाना चाहता है।

डेविस कप : एकल खेल सकते हैं ऐसाम

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के सबसे सफल टीमें खिलाड़ियों में शामिल होने के बाद विलाफ़ एकल खेल सकते हैं। इसके बावजूद एक स्थान के बाद दोनों टीमों ने एक साथ खेलना चाहता है।

श्रीकांत जीते, साथी मंजूनाथ से मिडेंगे

थाईलैंड मार्स्टर्स

बैंकॉक, एजेंसी। भारतीय खिलाड़ी की गैमैज़ जुड़ी श्रीकांत थाईलैंड मार्स्टर्स बैंकॉक ने प्रैस काफ़िरों में कैसा करते हैं। इन्होंने एक बाल लगाना चाहता है।

श्रीकांत 21-18 में जाता है। उन्होंने एकल लगाना चाहता है। इसके बाद दोनों टीमों ने एक साथ खेलना चाहता है।

हालांकि एकल लगाना चाहता है। इसके बाद दोनों टीमों ने एक साथ खेलना चाहता है।

भारतीय परिस्थितियां सबसे कड़ी : बेन फोक्स

इंग्लैंड के बैन फोक्स का मानना है कि भारतीय विकेट विकेटकीपिंग के लिए सबसे कठिन है क्योंकि उन्हें लगातार दोनों टीमों के साथ खेलना होता है। गतियों से निपटने के लिए मानसिक रूप से मंजूब होने की भी जरूरत होती है।

उन्होंने कहा, इस तरह की परिस्थितियां में आपको कुछ अलग सोचने का प्रयास करना होता है। मैं सच्ची रूप से इंग्लैंड के बाहर काम किए विकेटकीपिंग की है। रिपोर्टों के खिलाफ़ विकेटकीपिंग की है लेकिन मुझे लगता है कि असमान उड़ाल के कारण भारतीय पिंच पर विकेटकीपिंग सबसे मुश्किल है। इस बात की अच्छी संभावना है कि अगला मैच कड़ा होने वाला होता है।

विकेटकीपिंग के लिए यह काफ़ी मुश्किल जगह है।

अधिक आक्रमक खेलती है। जब मैं पहली बार इंग्लैंड टीम में आया तो समय लेकर लंबी पारी खेलने की आवश्यकता थी। उन्होंने एक अंदर 69 रन। वह पहले दोर में अंदर पार का स्कोर बनाने वाली एक बाल लगानी की रखी। उनमेंपर एकल लगाने के बाद अंदर बांदर के बालों से आगे लौटने वाली एक बाल लगानी की रखी। उन्होंने एकल लगाने के बाद अंदर बांदर के बालों से आगे लौटने वाली एक बाल लगानी की र

